अध्याय 2

शब्द विचार

भोजपुरी, मैथिली, हिन्दी वगैरह भाषा के व्याकरण में शब्द के सामान्य परिभाषा पावल जाला कि ध्वनि (वर्ण) चाहे ध्वनियन (वर्णन) के मेल से बनल अर्थबोधक ध्वनि चाहे वर्ण समुदाय के शब्द कहल जाला। शब्द अकेले आ कबो आउर शब्दन के साथ मिल के आपन अर्थ उजागर करेला।

शब्द के प्रकार

मूल, बनावट, रूपान्तर, प्रयोग वगैरह के आधार पर शब्द के कई प्रकार में बाँट के अध्ययन कइल जाला, जइसे-मूल के आधार पर भोजपुरी शब्दन के पाँचगो प्रकार बा-ठेठ, ततसम्, तद्भव, देशज आ विदेशज।

ठेठ शब्द- भोजपुरी के ठेठ शब्द ओह शब्द के कहल जाला जवन भोजपुरी छोड़ के आउर भाषा में ना पावल जाय। एह ठेठ शब्दन के देशज आ क्षेत्रीय शब्द भी कहल जाला, जइसे-झाँखी, थूक, छाल, बंडेरी, ढेंकी, पठरू, धुरखुरा वगैरह।

ततसम् शब्द- 'ततसम्' शब्द तत् आ सम के मेल से बनल बा। तत् माने ओकरा आ सम माने समान मतलब ओकरा (संस्कृत) शब्दन के समान शब्द के प्रयोग जब भोजपुरी में होला ओकरा के तत्सम शब्द कहल जाला, जइसे-मन, आज्ञा, कमल, गीत, नगर, फल, भय वगैरह।

तद्भव शब्द- तद्भव शब्द 'तत्' आ 'भव' के मेल से बनल बा। तत् के अर्थ होला ओकरा आ भव के अर्थ होला उत्पन्न भइल चाहे विकसित भइल। एह तरे संस्कृत ाब्दन से विकसित भइल शब्दन के तद्भव शब्द कहल जाला जइसे-अँगोछा (सं॰ अंगोञ्छ), आग (अग्नि), आठ (अष्ठ), उचाट (उच्चाट), खजूर (खर्जूर), खीर (क्षीर), घंटी (घंटिका), जीभ (जिह्वा), ताँत (तन्तु), दही (दधि), दूध (दुग्ध), धरती (धरित्री), हाथ (हस्त), काम, करम (कर्म), मीठ (मिष्ठ), धाम (धर्म) वगैरह।

देशज (देशी) शब्द- भोजपुरी के मौलिक शब्दन के देशज चाहे ठेठ शब्द कहल जाला, जइसे-बाप, खोंता, जूता, सोंटा, टीक, छान्ही, मरेठा, चाभुक, लोटा बगैरह।

विदेशज (विदेशी)- अंगरेजी, अरबी, फरसी वगैरह विदेशी भाषा के शब्द जवन भोजपुरी में प्रयुक्त होला, ओकरा के विदेशज कहल जाला, जइसे-खुदा, नमाज, सरकार, खून, गवाह, शायरी, अंगूर, चुकन्दर, चीलम, शराब, गुलाब, गरदन, जान, दिमाग, कमीज, वगैरह (फारसी), अल्ला, ईद, कुरान, गुनाह, फकीर, जमादार, इंसाफ, कानून, जमानत, नकल, कागज, किताब, अनार, अमरूद, अफीम, कसाई, (अरबी), चर्च, पोप, कलक्टर, अपील, पास, फेल, टिकट, पोस्ट-ऑफिस, कोट, टॉफी, यूरिया वगैरह (अंगरेजी)।

रचना चाहे बनावट के आधार पर शब्द के तीनगो भेद होला- **रूढ़, यौगिक** आ **योगरूढ़** ।

रूढ़- जवना शब्द के खंड के कवनो अर्थ ना होय, ऊ रूढ़ शब्द कहल जाला, जइसे-घर, गाछ, फर, डर, काम, नाम, धाम, चाम, पर वगैरह। घर के 'घ' आ 'र', गाछ के 'गा' आ 'छ', फर के 'फ' आ 'र' के अलग से कवनो अर्थ ना होखे।

यौगिक- जवना शब्द का खंड के अलग-अलग अर्थ होय, ऊ यौगिक शब्द कहल जाला, जइसे - मालगोदाम, भनसाघर, भंडारघर, डाकघर, पुलिसचौकी वगैरह। एह में माल आ गोदाम, भनसा आ घर, भंडार आ घर, डाक आ घर के अलग-अलग अर्थ बा।

योगरूढ़- जवन शब्द यौगिक भइला के बावजूद अर्थ के विचार से अपना सामान्य अर्थ के छोड़ के कवनो परम्परा से विशेष अर्थ के परिचायक होय, ऊ योगरूढ़ कहल जाले, जइसे- पनसोखा (इन्द्रधनुष), हरधर (बलराम) वगैरह।

रूपान्तर के आधार पर शब्द के दूगो भेद होला- विकारी शब्द आ अविकारी शब्द।

विकारी शब्द- जवना शब्द के रूप लिंग, वचन, कारक, काल आ पुरुष के अनुसार बदल जाय, ऊ विकारी शब्द कहाला। संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आ विशेषण विकारी शब्द ह।

अविकारी शब्द- जवना शब्द के रूप लिंग, वचन, काल पुरुष, कारक के अनुसार ना बदले, ऊ अविकारी शब्द कहाला जइसे-अव्यय, क्रियाविशेषण, विभक्ति, परसर्ग समुच्चयबोधक, संबंध बोधक, विस्मयादि-बोधक अविकारी शब्द ह।

बोध प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'झाँखी' भोजपुरी के कइसन शब्द ह।

(क) तत्सम (ख) तद्भव

(ग) ठेठ (घ) विदेशी

2. 'भनसाघर' भोजपुरी के शब्द ह।

(क) योगरूढ़ (ख) रूढ़

(ग) मौखिक (घ) यौगिक

3. अविकारी शब्द के कोटि में आवेवाला शब्द ह।

(क) क्रियाविशेषण (ख) संज्ञा

(ग) क्रिया (घ) सर्वनाम

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. शब्द के परिभाषा देत बनावट के आधार पर शब्द-भेदन के परिचय दीं।
2. मूल के आधार पर शब्द भेदन के उदाहरण सहित परिचय दीं।
3. रूपान्तर के आधार पर शब्द-भेदन के परिचय दीं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. शब्द के परिभाषित करत ओकर विविध प्रकार के उदाहरण सहित परिचय दीं।

सहचर शब्द

सहचर शब्द के भोजपुरी में बहुते बा। एह के दूगो रूप भोजपुरी में प्रचलन में बा-समानार्थ बोधक सहचर आ विपरीतार्थक बोधक सहचर। एह के कुछ सूची नीचे दिहल जा रहल बा।

समानार्थ बोधक सहचर

आदर-मान, लकड़ी-काठी, कपड़ा-लाता, इज्जत-पानी, घर-दुआर, रूपया-पइसा, बाल-बच्चा, घास-पात, पता-ठेकान, पुरखा-पुरनिया, धइल- धरावल, नेह-नाता, कनिया-बहुरिया, किन-बेसाह, नेग-चार, बीआ-बाल।

विपरीतार्थ बोधक सहचर

अइसहीं कुछ विपरीतार्थ बोधक सहचर शब्द बांड़न सँ। एकरो लमहर सूची बा। नीचे कुछ उदाहरण दिहल जाता-

लेन-देन, ऊँच-नीच, बनल-बिगड़ल, आगा-पाछा, धनी-गरीब, आकाश-पताल,, हकासल-पियासल, लरम-गरम, सहयोगी-सहचर, कागज-पत्तर, दाना-पानी, इंटा-खपड़ा, रकम-पताई, खेत-खरिहान, पथ-पानी, साँप-गोजर, कुता-बिलाई, सूझ-बूझ, दूध-दही, जर-जमीन, हारल-थाकल, फूल-पत्ती इत्यादि।

भोजपुरी में कुछ आनुप्रासिक सहचर शब्द बाड़न सँ। एकर कुछ उदाहरण बा-

बोहनी-बट्टा, काम-धाम, अखोर-बखोर, हरवा-हथियार,

बर-बरिआत, पर-पाहुन, चासा-बासा, चिरई-चुरूंग, धूम-धड़ाका, तड़क-भड़क, आनि-बानी, टेढ़-मेंढ़ इत्यादि।

कुछ विशेषार्थ बोधक सहचर

बोल-चाल, सेवा-खरचा, आगा-पाछ, अह-जह, तगड़-बगड़, अकट-बहेर, आउँज-गाउँज इत्यादि।

बोध-प्रश्न

1. नीचे लिखल के सहचर शब्द बनाईं।

नया .....

भरल .....

उधार .....

पोथी .....

पता .....

घर .....

दूर .....

बूढ़ .....

नीमन .....

ऊँच .....

आकाश .....

आइल .....

दाना .....

रकम .....

लरम .....

आग .....

हरवा .....

आऊँज .....

तगड़ .....

खेवा .....

2. नीचे लिखल में जे ठीक होखे, ओपर चिह्न (✓) लगाईं।

गाछ-पौधा / बिरिछ / बगीचा / ताड़ /

उल्टा / सोझा / सीधा / टेढ/ जमीन / कुदाल /

बोल / बात / खान / चाल / माला / धप धप

3. नीचे लिखल कवना तरह के सहचर शब्द ह।

अकट-बहेर .....

धुँआ-धुकुर .....

खेत-खरिहारन .....

पर-पाहुन .....

मर-मिठाई .....

4. अपना पाठ्य पुस्तक से दस गो सहचर शब्द चुन के लिखीं।

....

....

पर्यायवाची शब्द

कुछ शब्द अइसन होलेस, जवना के एके गो अर्थ वाला एह सब के के पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहल जाला।

इहाँ कुछ पर्यायवाची शब्द दिहल जाता-

मेघ - घटा, बदरी, बादल

रसरी - रस्सी, जोर, जेवर,

खम्हा - खंभा, थुनी,

सूरूज - सूरज, गोसाईं, आदित

छान्ह - छप्पर, छान्ही

आँख - नजर, नयन, नैन, चितवन

गरदन - गर्दन, घेंट, नट्टी

गोड़ - पैर, चरण, टाँग, टँगड़ी

गाछ - पेड़, विरिछ

जजात - फसल, फसिल, टासिल

डाढ़ - डाल, डाऱ्ही, डेहुँगी

नियरा - नगीच, नजदीक, भीरी, लगे

चिरई - चिड़िया, पखेरू, पंछी

चाँद – चनरमा, चन्दा

बेयार – हवा, बेतासि

मेहरारू – औरत, जनाना, जनीजात

जोरू – मेहरारू, पत्नी, घरनी, मेहर, धनिया

बेटा – पुत्र, पूत, पूता

लइकी – लड़की, छंउड़ी, बेटी, बिटिया, धिया

लइका – लड़का, छौंड़ा, टेल्हा, लरिका, बेटा

बछरू – बाछा, बछड़ा, लेरू

बूता – बल, काबू, तागद, परभूता

कुइयाँ – इनार, कुआँ

गोजी – लाठी, लउर,

डंटा – लबरा, पैना, सोटा

बोध प्रश्न

1. नीचे लिखल में बताईं कि कवन शब्द कवना के पर्यायवाची ह।

1. मेघ, रसरी, निउरा, सोझा, सामने, सुरूज, चनरमा, नजर, पंछी, बिजुरी, लइका, टाँग, जोरू, घरनी, मुन्हार, गदबेर, लबेदा, पैना, चारपाई, खटिया, इनार, कुइआँ।

....

....

....

....

2. सही पर (✓) निशान लगाईं।

दिअरी के पर्यायवाची शब्द ह-

देवाल/आन्ही/खटिया/दीआ/दूर/छप्पर

3. नीचे दिहल शब्दन के दू-दू गो पर्यायवाची शब्द लिखीं।

स्त्री - ....., ...

संतान - ....., ...

लइकी - ....., ...

फसल - ....., ...

पत्नी - ....., ...

दीवार - ....., ...

4. बताईं नीचे लिखल कवन कवना शब्द के पर्यायवाची ह।

गदबेर, लउर, बूता, बछरू, सटका, छेरी, चिरकुट, हरिअरी, जनानी, नगीचा, चिरई, पूत, टेल्हा, लरिका, कान्ही, बउखी।

विपरीतार्थक शब्द

हिन्दीए अइसन भोजपुरियो में उल्टा अर्थ देवे वाला बहुते शब्द बा। कुछ उदाहरण नीचे दिहल गइल बा–

अच्छा	–	खराब	ठंढा	–	गरम
बिअही	–	उघड़ी	समहर	–	एकहर
सोझा	–	अलोता	करिया	–	गोर
आगा	–	पाछा	लमहर	–	छोट
बाप	–	मतारी	बनल	–	बिगड़ल
आपन	–	दोसर	आइल	–	गइल
गलती	–	सही	मालिक	–	नोकर
राँड़	–	एहवाती	छोट	–	बड़
समेटाइल	–	छितराइल	नेकी	–	बदी
अन्हार	–	अँजोर	नीमन	–	बाउर
इमरित	–	जहर	ऊँचा	–	खाला
घटी	–	नफा	दहार	–	सुखार
अपजस	–	जस	ओदा	–	सूखल

वैरागी	–	गिरहस्त	मनभरू	–	ललाइल
अबर	–	बरियार	सतवंती	–	बेसवा
खिनउरी	–	देहगर	गहिर	–	छितनार
मोट	–	पातर	देश	–	परदेश
नगद	–	उधार	जनम	–	मरन
जुआइल	–	अजू	मीठ	–	तीत
अजुराह	–	फुरसताह	नकली	–	असली
नियरा	–	दूर	उखाड़ल	–	रोपल
निगचा	–	दूर	सेंकुरल	–	फइलल
बिऊहल	–	उसरल	आमदनी	–	खरच
बसल	–	उजड़ल	सोझ	–	टेढ़
जिनगी	–	मउअत	जिऊतार	–	मुअतार

बोध प्रश्न

बताईं

1. खराब के विपरीतार्थक ह।

उघड़ी / अलोता / अच्छा

2. नीचे लिखल के विपरीतार्थक शब्द लिखीं।

एहवाती ..... दोसर .....

छितराइल ..... सही .....

अँजोर ..... जहर .....

जस ..... गिरहस्त .....

देहगर ..... मोट .....

तीत ..... छितनार .....

अजू ..... उधार .....

बिगड़ल ..... जिअतार .....

गरम ..... आइल .....

सुखार ..... जनम .....

3. पर्यायवाची का ह, एक वाक्य में लिखीं।

4. नीचे लिखल शब्दन के दु-दु गो पर्यायवाची लिखीं।

कुता, लइकी, फइल, साँझ, डंडा, घास, दीपक, खाट, सटका, मेहरारू, इनार, बेयार।

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

कुछ शब्द अइसन होला जे सुने में त एके जइसन लागेला, बाकिर ओकरा अर्थ में बहुत अंतर होला। अइसने शब्द के श्रुतिसम भिन्नार्थक कहल जाला। नीचे दिहल शब्दन से एकर अंतर साफ हो जाई।

1. गोर - साफ चमड़ा वाला
   गोड़ - पैर, टाँग
2. चवर - खेत के खाली क्षेत्र
   चँवर - पोंछ के आकार के बनल लम्बा चीज
3. जवर - साथ
   जवरा - पवनी-पसारी के मिले वाला अनाज के हिस्सा
4. छावरा - मछरी के छोट बच्चा
   छँवड़ा - लइका
5. तोर - तोहार
   तोड़ - एक तरह के पातर रसरी
6. दवड़ - जगह
   दउड़ - दउड़े के काम
7. पाट - नदी के चौड़ाई
   पाठ - पढ़े-लिखे के चीज

8. पाटी – खटिया के लम्बाई-चौड़ाई में लागल लकड़ी

   पाठी – बकरी के बिना बिआइल बच्चा

9. बीरी – पान के छोटा बीड़ा

   बीड़ी – सूखल लंबाई से बनल चीज़

10. वीर – बहादुर, बली

    बीड़ – छप्पड़ छावे के सामान

11. बास – बसेरा

    बाँस – एगो लम्बा मजबूत पौधा

12. भुसउल – भूसा राखे के जगह

    भुसकउल – बेकार के लमहर आकार

13. राड़ – उदण्ड

    रार – झगड़ा, तकरार

14. लवका – बादल में चमके वाली बिजुरी

    लउका – कद्दू

15. सवर – संयोग

    सबर – बड़हन भाग

16. हार – पराजय

    हाड़ –हड्डी

17. ठूरी – भूजल अनाज के बिना फूटल दाना

ठूढ़ी – ठुड्ढी

18. धोवा – मिल में धोआइल नया कपड़ा

धोई – छिलका निकला दाल

19. डोली – कनिया के ढोवे वाला सवारी

ढ़ोली – दू सई पान के संख्या

20. सोर – जड़

सोरी – पातर कंद

21. कोर – किनारा

कोरा – गोदी

22. कवर – खाये के एगो मात्रा

कवरा – कुत्ता के देवे वाला भोजन

23. कमर – डाँर

कम्मर – कम्बल

24. कतार – पाँती

कटार – एगो हथियार

बोध प्रश्न

1. **नीचे लिखल शब्दन के विपरीतार्थक शब्द लिखी।**

खाल	पाछा .....
तातल	घिरना .....
लमहर	समहर .....
करिआ	बिगड़ल .....
अँवासल	दोसराइत .....
नोकर	विरीतार्थक .....

2. **नीचे दिहल शब्दन में से चुन के सही विपरीतार्थक पर (✓) निशान लगाईं।**

उजर–बिगड़ल / फइलल / करिआ / तातल / पाछा

बाउर– माहुर / घटी / रूखड़ / अकसरूआ / नीमन

लगे– नियरा / सगही / पिछुआर / गलती / राँड़

गिरहस्त– कोत / अपजस / वैरागी / सूखा / उसर

अबर–अस्थिराह / खोंढ़ / अनकर / बरियार / तंग

3. विपरीतार्थक शब्द चुनीं आ एह से एक-एक वाक्य बनाईं।

सकेत .....

पुन्न .....

बाय .....

दहार .....

करिआ .....

एहवाती .....

अन्हार .....

छितराइल .....

मजगूत .....

नया .....

अलोता .....

अकसरूआ .....

मालिक .....

गलती .....

अनेकार्थक शब्द

कुछ शब्दन के अर्थ एक से जादा होला, अइसन शब्द अनेकार्थक कहाला। हिन्दीए के तरह भोजपुरियो में अइसन ढेर शब्द वाड़न स। कुछ उदाहरण नीचे दिहल जाता।

कल - समय के बारे में (कल-बीतल, कल-आवे वाला)
मशीन के पार्ट-पुर्जा, नल, कल-पुर्जा

कन - चाउर के टुकड़ा, कंद,

काग - एगो करिया चिरई, ठेपी

टाप - घोड़ा के पैर के आवाज, मछरी मारे के एगो सामान

पाग - चीनी गरम क के बनावल रस, पगड़ी, मुरइठा

पाल - नाव पर हवा के दिशा रोकेवाला बड़हन परदा, पालल

बीछी - बिच्छू, केरा के छोट पौधा

लीख - ढील (माथा में पड़े वाला), बैलगाड़ी के राह

सउरी - प्रसूति घर, एक तरह के मछरी

साम - मूसर के गोल लोहा के छल्ला, साँझ

चाल - चले के ढंग, आदत

सान - छूरी-कैंची के धार तेज करे वाला सामान, घमंड

चीक - मांस बेचे वाला, तीसी के बनल परदा।

एही तरह बहुत अइसन शब्द बा, जवना के एक अर्थ के अलावा आउरो अनेक अर्थ में प्रयोग होला।

शब्दांश-उपसर्ग-प्रत्यय

कुछ शब्दांश अइसन होला जे कवनो शब्द के पहिले लग के ओकरा अर्थ में थोड़ा परिवर्तन क देला-ऊ **उपसर्ग** कहाला। कुछ शब्द जे कवनो शब्द के बाद में लग के ओकरा अर्थ में परिवर्तन क देला-ऊ **प्रत्यय** कहाला।

उपसर्ग

ऊ शब्दांश जवन शब्द के पहिले लागेला। कबो-कबो प्रत्यय लगला से मूल शब्द में परिवर्तन हो जाला।

भोजपुरी में अन, अ, अति, पर, पु, कि, सुनर, उध, दु, कु, स, तर्, अव, अध, ना, भर, कम, बिन आदि उपसर्ग लागेला। जइसे-

अन-अनजान, अ-अथाह, बे-बेमन, बेमतलब, नि-निदरदी, कु-कुअन्न, स-सपूत, अध-अधमरू, भर-भरसक, भरपूर, कम-कमखोराक, कमजोर, बिन-बिनबोलावन इत्यादि।

विदेशी भषन के उपसर्ग-

अल, खुश, बद, ला, सर, हम, इत्यादि-जइसे- अल- अलरजी, खुश-खुशहाल, बद-बदमाश ला-लावारिस, सर-सरकार, हम-हमजोली आदि।

अइसन ढेर उपसर्ग बा, जवन भोजपुरी में प्रयोग होला।

बोध प्रश्न

1. शब्दांश का कहाला? उदाहरण के साथ लिखीं।

2. उपसर्ग आ प्रत्यय में का अंतर बा। समुझा के लिखीं।

3. नीचे लिखल उपसर्गन से शब्द बना के वाक्य में प्रयोग करीं।

   अध, सु, कम, दिन, स, कु, नि, हु, पर, बे, अन, कु, अ, भर।

4. नीचे कुछ विदेशी भषन के उपसर्ग बा, ओकरा से शब्द बनाके अपना वाक्य में प्रयोग करीं।

   दर - .....

   बद - .....

   हम - .....

   खुश - .....

   ला - .....

   सर - .....

5. नीचे लिखल उपसर्ग से बनल शब्दन में से उपसर्ग चुनीं।

   दाढ़ी - .....

   एरा - .....

   देशी - .....

आऊँ - .....

अउती - .....

आउत - .....

आरी - .....

आइन - .....

एलू - .....

खोर - .....

प्रत्यय

भोजपुरी भाषा में ढेर प्रत्यय बा, जवन कवनो शब्द के अंत में जुड़ के नया शब्द बना देला। ई संज्ञा से कर्तृवाचक, सर्वनाम से संज्ञा, संज्ञा से विशेषण, विशेषण से संज्ञा, संज्ञा, से संज्ञा विशेषण से विशेषण, ऊनवाचक संज्ञा बनावें में मदत करेला। एकरा अलावा भोजपुरी में कुछ स्त्री प्रत्ययो मिलेला।

नीचे कुछ उदाहरण दिहल जाता–

सर्वनाम से संज्ञा–आइल–अपनाइत

संज्ञा से कर्तृवाचक संज्ञा– अइत–डकइत–डाका

हार–चूड़ी–चूड़ीहार, लकड़ी–लकड़ीहार।

हर–मुस से मुसहर, बाप से बपहर, मामा से ममहर।

संज्ञा से विशेषण

कातिक से कतिका, आइन–धुआँ से धुआँइन आदि।

अइसन ढेर शब्द बाड़न सँ।

विशेषण से संज्ञा

ई उपसर्ग– पियर से पिअरी, बदमाश से बदमाशी।

अई–थेथर से थेथरई, बुरबक से बुरबकई

आहट–गरम से गरमाहट, भला से भलमनसाहत।

अवती–बूढ़ से बुढ़उती।

संज्ञा से संज्ञा

अई-लरिका से लरिकाई, साधु-सधुआईं आरी-भाई-भइआरी, काजर-कजरवटा। हन-तल-तेलहन, दाल-दलहन हर- मामा-ममहर, दादा-ददहर

ई उदाहरण खातिर दहिल जाला। एकरा अलावा एइसन ढेर प्रत्यय बा, जवना से संज्ञा से संज्ञा बनावल जाला।

विशेषण से विशेषण

लाल-ललछहूँ, मइल-मलछहू-छहूँ-प्रत्यय

वाँ-पांच-पचवाँ, नौ-नउवाँ,

आठ-अठवाँ आइल-गरम-गरमाइल, बूढ़-बूढ़ाइल, जुवान-जुवाइल औठा-पहिल-पहिलौठा, आ-साठ से साठा आदि।

स्त्री प्रत्यय

कुछ शब्द अइसन होला जवना के पुल्लिंग शब्द में स्त्री-प्रत्यय लग के स्त्रीलिंग हो जाला। कुछ उदाहरण देखीं-

आइन - मिसिर से मिसराइन, मुंशी से मुंशिआइन।
आनी - जेठ से जेठानी, सेठ से सेठानी, देवर से देवरानी।
नी - घर से घरनी, डाक्टर से डाक्टरनी, चोर से चोरनी
इन - धोबी से धोबिन, कहार से कहारिन
ई - छोटका से छोटकी, बेटा से बेटी, मामा से मामी।

कृत प्रत्यय

क्रिया के मूल रूप या धातु में लागे वाला प्रत्यय कृत् प्रत्यय कहाला। एह से बनल शब्द कृदंत कहाला। भोजपुरी में अइसन ढेर शब्द बा। कुछ उदाहरण नीचे दिहल जाला-

कृदन्त संज्ञा

आरी - पूछल से पुछारी, पूजल से पुजारी।

आ - घेरल से घेरा, छेंकल से छेंका

आई - पढ़ल से पढ़ाई, छपल से छपाई, रोपल से रोआईं

आवन - परिछल से परिछावन, चुमावल से चुमावन

आँव - पोसल से पोसाँव

ऊ - झाड़ल से झाड़ू

आप - मिलल से मिलाप, छापल से छाप।

अउअल - बुझावल से बुझउअल, मनावल-मनउअल।

कृदन्त विशेषण

आइल-काटल से कटाइल, पीटल से पिटाइल।

अकड़-पीअल से पिअक्कड़, घूमल से घूमक्कड़, बूझल से बुझक्कड़

एरा-लूटल से लुटेरा

इयल – सड़ल से सड़ियल, मरल से मरिअल

आऊ – टिकल से टिकाऊ, उपजल से उपजाऊ, बेचल से बिकाऊ

उका – चोरावल से चोरउका, देखावल से देखउका

वैया – सुनल से सुनवैया, गावल से गवैया, देखल से देखवैया।

बोध प्रश्न

1. **नीचे दिहल प्रत्यय के कर्तृवाचक संज्ञा बनाईं।**

आड़ी – .....

आटा – .....

आर – .....

हार – .....

अनिया – .....

ई – .....

हर – .....

2. **नीचे लिखल संज्ञा से अलग-अलग विशेषण बनाईं।**

आ, आइल, आहुत, आउत, इआ, वइआ, गद, उई, आह, ऊ, अई,

प्रत्यय के प्रयोग करीं-जैसे-पानी से घनिया।

3. ई, अई, आइत, आइट, अउती उपसर्ग से विशेषण शब्द, संज्ञा बनाईं। जैसे-पिअर-पिअरी।

अई, अउती, आटा, आरी, औड़ी, औटा, आका, आवता, हन, ई, हर, आटा, इका, वा, आ, आर, आरी, एला, आस, पा प्रत्यय के संयोग से तीन-तीन गो संज्ञा से संज्ञा बनाईं, जैसे-मामा-ममहर।

4. नीचे लिखल प्रत्यय जोड़ के विशेषण से विशेषण शब्द बनाईं। जैसे-प्रत्यय-वाँस से सतवाँस।

सर ..... आइल .....

वाँ ..... आउत .....

ठा ..... औठा .....

हन ..... उआ .....

हा ..... आ .....

ई ..... छहूँ .....

5. नीचे लिखल शब्दन से प्रत्यय अलग करीं-

करिअई ..... दोसराइत .....

बुढ़उती ..... चुनउटी .....

तिलउरी	.....	तेलहन	.....
बपहर	.....	सन्नाटा	.....
जजमनिका	.....	खुशियाली	.....
गउँवा	.....	अधेला	.....
पहिलवँठा	.....	मइलछहूँ	.....
सातवाँ	.....	गरमाइल	.....
खटहा	.....	साठा	.....
गँवारपन	.....	अधेला	.....
बहिनपा	.....	बचवा	.....
भतरा	.....	दुधार	.....
मुंशियाइन	.....	दुबाइन	.....
पड़ाइन	.....	चोरनी	.....